...छोटे शहरों से झोला उठाकर उम्मीदों के सहारे चले..

रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर विन्ध्य के युवा

नवभारत न्यूज

सतना, 11 जुलाई. कभी प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक जिला होने के बावजूद वर्तमान में इस कगार में पहुंच गया है कि हर दिन रोजी रोजगार के लिए घर बार छोड़कर हजारों युवा पलायन करने के लिए मजबूर है। कुल मिलाकर वर्षो पहले एक फिल्मी गीत की कहानी सच साबित हो रही जिसमें कहा गया है कि हम तो छोटे-छोटे शहरों से झोला उठाकर चले जहाँ काम और रोजगार मिलेगा.

जिले में औद्योगिक पहचान होने के बावजूद स्थानीय युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसका असर यह है कि हर दिन बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब और दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों की ओर जा रहे हैं। इनमें आईटीआई, पॉलीटेक्निक, स्नातक और अन्य तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा भी शामिल हैं।

रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों की ओर जाने वाले युवाओं का सबसे अधिक असर जिले के रेलवे स्टेशन पर देखने को मिलता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में युवा बैग और जरूरी सामान के साथ ट्रेनों का इंतजार करते नजर आते हैं। बड़े शहरों की ओर रोजगार की उम्मीद लेकर रवाना होते हैं।

रोजगार की तलाश में पलायन करने वालों में केवल कम पढ़े-लिखे युवा ही नहीं, बल्कि आईटीआई, पॉलीटेक्निक, स्नातक और अन्य तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवक भी शामिल हैं। शिक्षा और तकनीकी योग्यता होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में बेहतर आजीविका और भविष्य की उम्मीद में वे दूसरे शहरों और राज्यों का रुख करने को मजबूर हैं।

नियमित काम की कमी : अरुण

अरुण ने बताया कि जिले में नियमित रूप से काम नहीं मिल पाता। जब काम मिलता भी है तो मेहनत के अनुरूप मजदूरी नहीं दी जाती और भुगतान भी समय पर नहीं होता। उनका कहना है कि स्थानीय स्तर पर काम में मेहनत अधिक है, लेकिन आय कम होने के कारण रोजी-रोटी के लिए दूसरे शहरों का रुख करना मजबूरी बन गया है।

यहां हाथ से वहां मशीन से काम :गजेन्द्र

गजेंद्र ने बताया कि स्थानीय स्तर पर काम तो मिल जाता है, लेकिन अधिकांश कार्य मशीनों के बजाय श्रमिकों से कराया जाता है, जिससे शारीरिक मेहनत अधिक करनी पड़ती है। वहीं, दूसरे शहरों की कंपनियों में अधिकांश काम मशीनों से होता है और श्रमिकों की भूमिका मुख्य रूप से संचालन और निगरानी तक सीमित रहती है। ऐसे में बेहतर कार्य परिस्थितियों और आय की उम्मीद में युवा बाहर जाना पसंद कर रहे हैं।

काम मिलने के अवसर ज्यादा : राजवेन्द्र

राजवेंद्र ने बताया कि बड़े शहरों में काम के कई मौके मिल जाते हैं। वहां अपनी पसंद और योग्यता के अनुसार काम चुना जा सकता है। जबकि यहां काम के अवसर कम हैं। उनका कहना है कि यहां की कई कंपनियों में नौकरी पाने के लिए पहचान की जरूरत पड़ती है। साथ ही, स्थानीय लोगों को भी कम काम दिया जाता है। इसी वजह से युवा रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों की ओर जा रहे हैं।

यहां योग्यता का मूल्यांकन नहीं : अनूप

अनूप ने बताया कि जिले में पढ़ाई और योग्यता के अनुसार रोजगार के अवसर बहुत कम हैं। यदि काम मिल भी जाता है, तो उसके हिसाब से वेतन नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि बाहर की कंपनियां बेहतर वेतन देने के साथ-साथ रहने और खाने की सुविधा भी उपलब्ध कराती हैं। इसी कारण कई युवा दूसरे शहरों में काम करना पसंद करते हैं।

सबके सुख-दुख खोज खबर तैं चौबीस घंटा लेते

एक रोज कहुँ हमी आपन बोली भाषा मा लिखी कै सब का बतामय बारे सैफुद्दीन सिद्दीकी सैफू का जानय का मिला.खड़ी हिंदी कै चलन कै बीच अपन बोली मा निकहा लिखी कै सब का चेतमय बारे सैफू काकू का अब भले लोग भुला दिहिन होय पर उनखर कीन काम उन्ही मा आय कै आपन लीला रचत हय. हेइ कोउ राजा बनत है ता कोउ रंक.केहू कैं अपने काम से पहिचान मिलत ही केउ पूरी उमिर पार कइके बिना पहिचान कै इया दुनिया से बिदा होइ जात हय. एहि से इया कहा जात हय की जउन करय-कथय का हो आपन उमिर रहत कर लेआ नाही ता बाद मा ना कोउ जानी ना करय आजव सुधि मा लेआ देत हय. सबके सुख-दुख

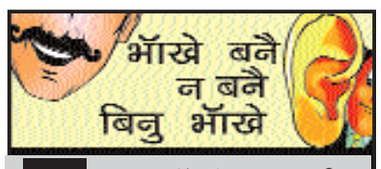

101 डॉ. संजय पयासी

पइहा. जिन्हा तक ओखर अनुमति हय बस उन्हा तक उझल-खोज,खबर तैं चौबीस घंटा लेते इया हम उनखी एक कविता से लिनन्ह हय. इया मा उँ जेय देखय नाही अउर सब कुछु वही कै भरोसे मा होत हय ओखे बारे मा कहिन हय. सोची हम कहाँ पइदा भयन का यमा हमार कउनव जोर रहा हय. इया ता वा भगमान तय करत हय की हम कहाँ, कइसन जग्घा पलब-बढ़ब केय हमार बाप-महतारी होहिहै. फेर इया जीवन मा केसे कहां भेट होइ.का कब करब, कहत हय की इया सब पहिले से तय रहत हय. मनई ता कठपुतरी आय जे इया धरती कूद नाही ता खटिया मा परे-परे इया दुनिया से बिदा होय का परत हय. काम कै बीच मा आमय वारी अड़चन का सोचत रहय से काम ना होइ.काम जेमा नाम अउर पहिचान छुपी हय वा करय से ही पूर होइ.जमाना अउर विग्यान केतव तरक्की कर लेय पर मनई कै खितिर तय कीन गा इया सब कै साथ होत हय. ओखर काट केहू कै लग्घे नाही आय.एहि से सैफू काकू लिखिन हय कि सब कै सुख-दुख कै तोहि सूचना हय तोरय देखय मा हम चारव पहर रहित हयन.

जमीन विवाद में महिला की ट्रैक्टर से कुचलकर निर्मम हत्या

दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार, रामनगर क्षेत्र के खारा गांव की घटना

नवभारत न्यूज

सतना, 11 जुलाई. रामनगर थाना क्षेत्र के खारा गांव में जमीन विवाद को लेकर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ खेत जोतने को लेकर हुए आपसी विवाद में एक महिला के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाकर उसे मौत के घाट उतार दिया गया. घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है.

मिली जानकारी के अनुसार, वारदात के वक्त सुदर्शन नामक व्यक्ति के खेत की जुताई की जा रही थी. इसी दौरान खेत जोतने की बात को लेकर

विवाद इतना बढ़ गया कि खेत जोत रहे महिपाल साकेत का पुत्र रोहित साकेत ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए ट्रैक्टर को सीधे महिला के ऊपर चढ़ा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.पुलिस ने इस हत्याकांड में रोहित साकेत को मुख्य आरोपी बनाया है. वारदात में रोहित के अलावा तीन अन्य लोग भी शामिल थे, जिनमें महिपाल साकेत, सुभद्रा और रणवीर उर्फ छोटू का नाम शामिल है.

घटना की सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद चार आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी वारदात के बाद से ही फरार बताए जा रहे हैं. पुलिस ने फरार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश जारी है.

खेत जोतने का ज़मीनी विवाद था एक महिला की कुचल कर हत्या कर दी गई है मामला दर्ज कर लिया गया है दो आरोपी पकड़े गए है दो फरार है.

विजय त्रिपाठी
थाना प्रभारी रामनगर

कई क्षेत्रों में बंद रहेगी बिजली

सतना, 11 जुलाई. मानसून मेन्टीनेंस के लिए रविवार को शहर के कई हिस्सों में बिजली बंद रहने की पूर्व सूचना विद्युत मंडल ने दी है. पतेरी 132 केव्ही उपकेन्द्र से निकलने वाले सभी फीडरों की बिजली बंद रहेगी.

सतना जिले में अब तक 242 .7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

नवभारत न्यूज

सतना 11 जुलाई. जिले में इस वर्ष 1 जून से 11 जुलाई तक 242.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 343.6 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 242.6 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 265.9 मि.मी, बिरसिंहपुर में 332.9 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 254.6 मि.मी., नागौद में 232.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 78.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 190.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है।

जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 285.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

भारत विकास परिषद का योगदान अनुकरणीय : रीती

सीधी शाखा का स्थापना दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मना

नवभारत न्यूज

सीधी, 11 जुलाई. भारत विकास परिषद सीधी शाखा के स्थापना दिवस 10 जुलाई के अवसर पर दायित्व ग्रहण एवं छात्र सम्मान समारोह का भव्य आयोजन रोली मेमोरियल सीधी में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीधी विधानसभा विधायक श्रीमती रीती पाठक रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में चंद्र मोहन गुप्त एवं बाला प्रसाद गुप्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष श्रीमती ऋचा सिंह ने की। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन शाखा सचिव अशोक शुक्ला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सीधी नगर के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों एवं भारत विकास परिषद के अनेक सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि श्रीमती रीती पाठक ने अपने उद्बोधन में भारत विकास परिषद द्वारा सेवा, संस्कार, समर्पण एवं राष्ट्रीय चेतना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए परिषद के सेवा प्रकल्पों पर प्रकाश डाला। उन्होंने परिषद के सामाजिक एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन में भारत विकास परिषद सीधी शाखा द्वारा किए जा रहे सेवा एवं सामाजिक कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की तथा संपूर्ण परिषद परिवार को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में परिषद के नवदायित्वधारियों ने अपने दायित्व ग्रहण किए तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह राष्ट्रगान एवं वंदे मातरम् के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

महदेइया ओवरब्रिज के नीचे युवक का शव मिलने से सनसनी

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जुलाई। गोरबी-बरगवां मार्ग पर महदेइया स्थित नेशनल हाईवे-39 के ओवरब्रिज के नीचे शनिवार को 25 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

स्थानीय राहगीरों और ग्रामीणों ने शव देखकर गोरबी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इधर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। मौके पर चौकी प्रभारी एवं बरगवां टीआई बल के साथ पहुंच लोगों को समझा-बुझाकर लोगों को

शांत कराया।

मृतक की पहचान अनिल सोनी निवासी कुड़वा के रूप में बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या की गई है। उनका कहना है कि मृतक के मुंह से खून निकला हुआ था और शरीर पर चोट के निशान भी थे। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। इधर मृतक परिजन हत्या की आशंका जताते हुये निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करने लगे। साथ ही स्थानीय लोग एनएच-39 को जाम कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंचे

इसकी सूचना मिलते ही एसडीओपी रोशनी कुर्मी के साथ चौकी प्रभारी गोरबी आईडी सिंह, बरगवां टीआई डॉ. अनिल पटेल के साथ-साथ माड़ा की भी पुलिस घटनास्थल पहुंच स्थिति को नियंत्रण में करते हुये शाम करीब 7 बजे चक्काजाम समाप्त कराया। इस दौरान पुलिस ने निष्पक्ष जांच कराने का भरोसा दिया।

रोजगार मेला 15 को आईटीआई में

नवभारत न्यूज

सतना 11 जुलाई. जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आईटीआई के सहयोग से 15 जुलाई को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शासकीय आईटीआई कालेज बिरला रोड सतना में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा।

जिला रोजगार अधिकारी सतना ने बताया कि रोजगार मेले में स्वतंत्र फाइनेंस, प्राकृतशील बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, देवा इंटरप्राइजेज, ग्लोबल मैन पावर लिमिटेड गुजरात, एमआरएफ टायर, किशवी कन्सुलटिंग कार्पोरेशन, केवी हयुमन रिसोर्स लिमिटेड, रॉयल कैरियर सोल्युशन तथा टीसीआई में शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

बीईओ दफ्तर में रिश्वत लेते वीडियो वायरल

बैढ़न विकासखंड दफ्तर का मामला, लिपिक पर है आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जुलाई। विकासखंड शिक्षा कार्यालय बैढ़न का एक वीडियों वायरल हो रहा है। वीडियों में एक लिपिक एक कथित विद्यालय के संचालक से रिश्वत ले रहा है।

वीडियों कितने दिनों पुराना है और रिश्वत देने वाला कौन है? इसका पता नही चल पाया है, लेकिन दावा किया जा रहा है कि वीडियों बीईओ दफ्तर का है। हालांकि इसकी पुष्टि नवभारत नही करता है। दरअसल विकासखंड शिक्षा कार्यालय बैढ़न में पदस्थ लिपिक के द्वारा एक व्यक्ति से पहले 500 रूपये फिर इसके बाद 100 रूपये यानी कुल 600 रूपये, इस बात के लिए लिया है कि निजी विद्यालयों के परीक्षा फल भौतिक

सत्यापन कर दिया जाएगा, इसमें कोई अड़चने नही आएंगी। इसी बात के लिए सुविधा शुल्क लिया जा रहा है। आरोप यहां तक है कि जिस वक्त कथित व्यक्ति से रिश्वत लिया जा रहा था, उस दौरान दफ्तर में अन्य कर्मचारी भी थे। रिश्वत लेने के पहले कथित लिपिक तम्बाकू का सेवन करते भी नजर आ रहा है। जबकि सरकार नशामुक्ति अभियान चलाई है। दफ्तर में तम्बाकू नशामुक्ति अभियान की धज्जियां उड़ रही हैं। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद जोर पकड़ लिया है। चर्चा है कि कथित लिपिक रजमिलान संकुल में पहले पदस्थ था, उस दौरान भी राशि गबन के आरोप में निलंबित किया जा चुका है। हालांकि जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी ने उक्त मामले को काफी गंभीरता से लिया है। लिपिक को शोकाज नोटिस जारी कर जांच टीम गठित की हैं।

इनका कहना है

संबंधित लिपिक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जा रहा है और जांच के लिए टीम गठित की गई है। पुष्टि होने पर हर हाल में कार्रवाई की जावेगी।

कविता त्रिपाठी
डीईओ, सिंगरौली।

बरगवां में वाहन शुल्क वसूली पर विवाद, परिवहन संचालकों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

▶ सुविधाओं के बिना वसूली का आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जुलाई। बरगवां नगर परिषद क्षेत्र में फोरलेन मार्ग पर बसों और मालवाहक वाहनों से स्टैंड शुल्क की वसूली को लेकर विवाद गहरा गया है।

परिवहन संचालकों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि पर्याप्त

सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना जबरन शुल्क वसूला जा रहा है। उनका कहना है कि शुल्क नहीं देने पर वाहनों को आगे नहीं जाने दिया जाता, जिससे बस संचालकों, ट्रक चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायत कर्ताओं का कहना है कि बैढ़न नगर निगम क्षेत्र में पहले से ही वाहनों से निर्धारित शुल्क लिया जाता है। ऐसे में करीब 25 किलोमीटर के भीतर दोबारा शुल्क वसूली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने इस व्यवस्था की वैधता पर भी आपत्ति जताई है। वहीं नगर परिषद की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस स्थान के नाम पर शुल्क लिया जा रहा है, वहां मूलभूत सुविधाएं और नियमित सफाई तक उपलब्ध नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने की मांग की है।

लापरवाही पर 12 विभागों को कारण बताओ नोटिस

नवभारत न्यूज

सीधी, 11 जुलाई. कलेक्टर विकास मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर पीएचई सहित 12 विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए हैं। जारी नोटिस कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग

जनजातीय कार्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, जिला अस्पताल, लोक निर्माण विभाग, लीड बैंक (वित्त विभाग), वाणिज्यिक कर विभाग, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारियों को जारी किए गए हैं। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि विभागों द्वारा सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण में गंभीर लापरवाही, निर्धारित समय-सीमा का पालन न करना तथा शिकायतों के समाधान में उदासीनता पाई गई है।

मुआवजा दिलाने का झांसा, किसान से 12 हजार की साइबर ठगी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 11 जुलाई। जिले में साइबर ठग अब एनसीएल मुआवजे के नाम पर भी लोगों को निशाना बनाने लगे हैं।

ताजा मामला चितरंगी तहसील के ग्राम नौगई प्रथम का है, जहां मुआवजे की आस लगाए बैठे एक किसान से खुद को एनसीएल कर्मचारी बताने वाले साइबर ठग ने 12 हजार की ऑनलाइन ठगी कर ली। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन 1930 और गढ़वा थाना में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम नौगई प्रथम निवासी अंबिकेश सिंह चौहान की भूमि एनसीएल परियोजना से प्रभावित है और उन्हें मुआवजा मिलना है। इसी जानकारी का फायदा उठाते हुए एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर स्वयं को एनसीएल का कर्मचारी बताया। ठग ने कहा कि उनके नाम से 2 लाख 80 हजार का मुआवजा स्वीकृत है,

लेकिन सेविंग अकाउंट होने के कारण राशि ट्रांसफर नहीं हो पा रही है। इसके बाद उसने खाते को सक्रिय कराने के नाम पर अलग-अलग प्रक्रिया बताकर किसान को अपने झांसे में ले लिया। इसी दौरान पीड़ित के मोबाइल पर 10 हजार और 25 हजार के असफल ट्रांजैक्शन के संदेश भी आए। ठग ने इन्हें तकनीकी प्रक्रिया बताकर भरोसा दिलाया और अलग-अलग मोबाइल नंबरों पर राशि भेजने के लिए कहा। मुआवजा मिलने की उम्मीद में किसान ने बताए गए नंबरों पर कुल 12 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। राशि भेजने के कुछ समय बाद जब मुआवजा खाते में नहीं पहुंचा और फोन करने वाला व्यक्ति संपर्क से बाहर हो गया, तब किसान को साइबर ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई और गढ़वा थाना पहुंचकर पूरे मामले की लिखित रिपोर्ट दी। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि साइबर अपराधी सरकारी योजनाओं और मुआवजा प्रक्रियाओं का सहारा लेकर ग्रामीणों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मुआवजा, बैंक खाते या सरकारी भुगतान से जुड़े किसी भी फोन कॉल पर बिना आधिकारिक पुष्टि किए किसी भी खाते या मोबाइल नंबर पर पैसे ट्रांसफर न करें। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह देखना होगा कि पीड़ित किसान की ठगी गई रकम वापस मिल पाती है या नहीं।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित. संपादक- संजय पयासी * फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99